प्लेटो का शिक्षा सिद्धांत

प्लेटो ने अपनी पुस्तक 'Republic' में जिस आदर्श राज्य की रूपरेखा प्रस्तुत की है उसका एक प्रमुख आधारस्तंभ है शिक्षा सिद्धांत। प्लेटो ने अपनी पुस्तक 'Republic' में शिक्षा का इतने विस्तार से विवेचन किया है कि रूसो जैसे विद्वान ने Republic को शिक्षा की सर्वोत्कृष्ट कृति कहा है। प्लेटो अपने चिंतन में शिक्षा को व्यापक अर्थों में लेते हुए इसको विस्तारित करता है। वह शिक्षा को स्वयं व्यक्ति, राज्य, समाज तथा व्यापक सुधार के परिप्रेक्ष्य में देखता है। वह मानता है कि यह मानसिक रोगों को ठीक करने की मानसिक दवा है, इससे सामाजिक पवित्रता के साथ-साथ सत्य की अनुभूति मिलती है। शिक्षा का परम उद्देश्य मानव आत्मा को एक ऐसा वातावरण उपलब्ध कराना है जिसमें वह अपना सर्वोत्तम विकास कर सके। प्लेटो शिक्षा के द्वारा समाज के विभिन्न वर्गों में राजनीतिक चेतना और कर्तव्य-परायणता की भावना का संचार करना चाहता है। उसकी दृष्टि में शिक्षा वह प्रकाश है जो व्यक्ति के मस्तिष्क पर छाए हुए अज्ञान रूपी अंधकार को मिटा कर ज्ञान की ज्योति जगाता है।

प्राचीन यूनान में प्रचलित शिक्षा पद्धतियाँ

अपनी शिक्षा योजना प्रस्तुत करने से पूर्व प्लेटो तत्कालीन यूनान में प्रचलित शिक्षा पद्धतियों का अध्ययन एवं विश्लेषण करता है। उसके समय में यूनान में दो शिक्षा-पद्धतियाँ प्रमुख रूप से प्रचलित थीं (1) ऐथेन्स की शिक्षा पद्धति (2) स्पार्टा की शिक्षा पद्धति इन दोनो शिक्षा पद्धतियों का संक्षिप्त उल्लेख निम्नलिखित है।-

(1) ऐथेन्स की शिक्षा पद्धति :→ एथेंस में राज्य की तरफ से शिक्षा की कोई सार्वजनिक व्यवस्था नहीं थी। शिक्षा एक व्यक्तिगत व्यवसाय था जो राज्य का कर्तव्य न होकर परिवार का उत्तरदायित्व था। राज्य की तरफ से शिक्षण संसथाओं को किसी प्रकार की सहायता नहीं मिलती थी। प्रत्येक परिवार अपनी क्षमता तथा

Scanned with CamScanner

आवश्यकतानुसार शिक्षा की व्यवस्था करता था। शिक्षा का पाठ्यक्रम तीन अवस्थाओं में विभाजित (1)- प्राथमिक शिक्षा (2) माध्यमिक शिक्षा (3) उच्च शिक्षा। शिक्षा के मुख्य विषय पठन, लेखन के साथ-साथ प्राचीन कवियों के साहित्य का अध्ययन, व्यायाम, खेलकूद तथा संगीत था। साहित्य के अध्ययन के माध्यम ~~के माध्यम~~ से धर्म एवं आचारशास्त्र का भी अध्ययन किया जाता था। प्राथमिक शिक्षा की अवधि 6 से 14 वर्ष तक, माध्यमिक शिक्षा की अवधि 14 से 18 वर्ष तथा उच्च शिक्षा की अवधि 18 से 20 वर्ष तक थी। प्राथमिक शिक्षा की समाप्ति पर माध्यमिक शिक्षा हेतु विद्यार्थियों को सोफिस्टों या आइसोक्रेट्स के विद्यालयों में शुल्क के माध्यम से शिक्षा ग्रहण कर सकते थे। चूंकि यह व्यवस्था अत्यंत खर्चीली थी इसलिए धनी वर्ग के लोग ही इसे ग्रहण कर सकते थे। सोफिस्ट अलंकारशास्त्र, राजनीति, भाषणकला, व्याकरण ~~आदि~~ आदि का अध्यापन करते थे। उच्च शिक्षा के लिए निर्धारित 2 वर्ष की अवधि में विद्यार्थियों को सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता था जिससे कि वे नागरिक ~~उत्तर~~ उत्तरदायित्वों को निभाने की क्षमता से युक्त हो सकें।

(2) स्पार्टा की शिक्षा पद्धति :=> स्पार्टा की शिक्षा व्यवस्था राज्य के अधीन थी। वहां की राजनीतिक व्यवस्था में युद्ध की भूमिका महत्वपूर्ण थी। शिक्षा राज्य द्वारा नियंत्रित थी। चूंकि स्पार्टा एक Military state था इसलिए उसकी एक कठोर सैन्य प्रशिक्षण की परंपरा थी जिसपर वह जीवित था। राज्य प्रत्येक बालक/बालिका को 07 वर्ष की अवस्था होते ही अपने संरक्षण में ले लेता था बाकी आगे की शिक्षा तथा प्रशिक्षण प्रदान करना राज्य का उत्तरदायित्व था। स्पार्टा के युवाओं के प्रशिक्षण तथा जीवन के लिए बड़ी-बड़ी व्यायामशालाएं, भोजन एवं विश्राम के लिए बड़े-बड़े सामान्य कक्ष तथा युद्ध क्षेत्र यही तीन प्रमुख चीजें थी। स्त्रियों को भी पुरुषों के समान प्रशिक्षण दिया जाता था। बरछी, भाले, तलवार चलाने तथा कुश्ती द्वारा उनके शरीर को मजबूत बनाया जाता था ताकि वे राज्य के लिए हृष्ट-पुष्ट संतान उत्पन्न कर सकें। स्पार्टा की जीवन पद्धति में कला एवं बौद्धिक विकास के लिए बहुत स्थान नहीं

Scanned with CamScanner

था। राज्य के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना ही मनुष्य का जीवन था।

प्लेटो की शिक्षा-पद्धति की प्रमुख विशेषताएँ

प्लेटो ने अपनी शिक्षा योजना में ऐथेन्स और स्पार्टा इन दोनो की शिक्षा-प्रणालियों के गुणों को समन्वित कर उनमे व्याप्त दोषों को दूर करने का प्रयास करता है। प्लेटो ऐथेन्स की बौद्धिक शिक्षा को स्पार्टा के संयमित शारीरिक प्रशिक्षण को आपस में मिलाकर शिक्षा की एक ऐसी प्रणाली विकसित करना चाहता था जो न केवल व्यक्तिगत विकास करे बल्कि उससे राष्ट्र का भी विकास हो सके। राज्य नियोजित अनिवार्य उदारवादी शिक्षा प्रणाली प्लेटो का नया आविष्कार था जो उससे पहले ऐथेंस में नही देखा गया था। प्रो॰ सेबाइन ने प्लेटो की शिक्षा व्यवस्था का विश्लेषण करते हुए कहा है कि हम इसे उस जनतंत्री प्रथा की एक ऐसी समालोचना कह सकते हैं जो प्रत्येक व्यक्ति को अपने बच्चों के लिए एक ऐसी शिक्षा खरीदने की स्वतंत्रता देती है जो या तो उसे अच्छी लगती हो या जो तत्कालीन बाजार में उपलब्ध हो।

ऐथेन्स की तत्कालीन शिक्षा प्रणाली में प्लेटो ने एक दूसरी नवीन विशेषता यह जोड़ी कि उसने स्त्री एवं पुरुष दोनो के लिए समान शिक्षा का समर्थन किया। प्लेटो स्त्री एवं पुरुष दोनो को प्रत्येक पद के लिए योग्य मानता उनमे किसी प्रकार का भेदभाव नही करता है। उसके अनुसार राष्ट्रनिर्माण में पुरुषों का जितना योगदान है उतना ही स्त्रियों का भी है और कोई भी राज्य नारी-जाति की उपेक्षा कर न तो आदर्श हो सकता है न ही शक्तिशाली अतः स्त्रियों को पुरुषों के समान अनिवार्य शिक्षा मिलनी चाहिए।

यहाँ यह उल्लेख करना आवश्यक है कि प्लेटो एक समय के उपरांत श्रमिक, उत्पादक वर्ग एवं शिल्पियों के लिए शिक्षा के द्वार बंद कर देता है जो अपने आप में आश्चर्यजनक एवं विरोधाभासी है। प्रो॰ Zeller ने इस संदर्भ में प्लेटो की आलोचना करते हुए कहा है कि वह स्वयं अभिजात वर्ग का व्यक्ति होने के कारण शिल्पियों से घृणा करता था

Scanned with CamScanner

Subject

प्लेटो की शिक्षा का पाठ्यक्रम

प्लेटो ने अपनी शिक्षा योजना तथा शिक्षा कार्यक्रम को दो भागों में विभाजित किया है ① प्रारम्भिक शिक्षा ② उच्च शिक्षा
प्रारम्भिक शिक्षा का उद्देश्य भावनाओं का परिमार्जन कर चरित्र-निर्माण करना है वहीं उच्च शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान विज्ञान द्वारा बुद्धि को परिस्कृत करना है जिससे की विवेक प्रखर हो सके।

(क) **प्रारम्भिक शिक्षा :⇒** प्रारम्भिक शिक्षा को प्लेटो तीन भागों में विभाजित करता है (1) प्रारम्भिक 6 वर्ष तक की शिक्षा (2) 6 वर्ष से 18 वर्ष तक की शिक्षा (3) 18 से 20 वर्ष तक की अवस्था तक शिक्षा। प्रारम्भिक शिक्षा में प्लेटो शारीरिक, साहित्यिक एवं संगीतात्मक शिक्षा को सम्मिलित करता है। वह लिखता है कि आरंभिक अवस्था में बालक एवं बालिकाओं को ऐसी कहानियाँ सुनाई जानी चाहिए जो नैतिकता, स्वस्थ चित एवं निर्मलता का संदेश देने वाली हो। प्लेटो चाहता है कि संगीत की शिक्षा के द्वारा आत्मा को शुद्ध तथा व्यायाम के द्वारा शरीर को पुष्ट बनाया जाए। वह संगीत और व्यायाम को व्यापक अर्थों में लेता है, वह लिखता है कि संगीत ऐसा होना चाहिए जो मानव आत्मा को संस्कृत कर दे जिससे कि आत्मा धवल पवित्र एवं शुद्ध हो जाए। व्यायाम के माध्यम से वह शरीर को इतना पुष्ट बना देना चाहता है कि उसके आदर्श राज्य में डॉक्टर की कोई आवश्यकता ही नहीं होगी वहीं वह व्यायाम में भोजनशास्त्र तथा औषधिशास्त्र को भी सम्मिलित करता है।

प्लेटो चरित्र पर बुरा प्रभाव डालने वाले साहित्यिक अंशों एवं कलाकृतियों पर राज्य द्वारा प्रतिबंध लगाने की व्यवस्था करता है। वह कहता है कि साहित्य से उन सभी प्रकार के अंशों को निकाल देना चाहिए जो मानव चरित्र पर विपरीत प्रभाव डालते हों अथवा असंयम तथा भोग-विलास को उत्पन्न करते हों। 18 से 20 वर्ष की आयु तक प्लेटो कठोर सैनिक प्रशिक्षण की व्यवस्था करता है। प्लेटो अपनी पुस्तक Republic में जो शिक्षा योजना प्रस्तुत करता है वह कोई नवीन योजना न होकर तत्कालीन प्रणाली का सुधार है।

Scanned with CamScanner

Subject

(ख) उच्च शिक्षा (Higher Education) :⇒ प्लेटो की पुस्तक The Republic का मौलिक और महत्वपूर्ण सुझाव है उच्च शिक्षा की व्यवस्था। प्लेटो की योजना थी कि 20 वर्ष की शिक्षा के उपरांत होनी वाली परीक्षा में जो छात्र/छात्रा उत्तीर्ण होंगे उन्हे 20 से 35 वर्ष तक अर्थात 15 वर्ष की और शिक्षा प्रदान की जाएगी। इसमे उन्ही को सम्मिलित किया जाएगा जो दार्शनिक शासक बनने की प्रतिभा से युक्त होंगे। इस शिक्षण व्यवस्था में विद्यार्थीयों को गणित, ज्योतिष एवं तर्कशास्त्र की शिक्षा दी जाएगी क्योंकि प्लेटो का विश्वास था कि ये यथार्थ विधाएं दर्शन के अध्ययन के लिए उचित भूमिका का निर्वहन करेंगी। 10 वर्ष के अध्यापन के उपरांत अर्थात 30 वर्ष की आयु में एक और परीक्षा आयोजित होगी जिसमें उत्तीर्ण होने वाले अभ्यर्थीयों को अगले 5 वर्ष तक द्वन्द्ववाद (Dialectics) की शिक्षा दी जाएगी क्योंकि द्वन्द्ववाद ही वह साधन जिसके द्वारा विशुद्ध तत्व का ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। 35 वर्ष की लंबी अवधि तक चलने वाले शिक्षा कार्यक्रम को प्लेटो अपूर्ण मानता है क्योंकि अब तक का समस्त ज्ञान कोरे सिद्धांत पर आधारित था। वह कहता है कि अगले 15 वर्ष तक दार्शनिक बुद्धिजीवी को वास्तविक ज्ञान प्राप्त करने हेतु संसार के झंझावातों के मध्य छोड़ देना चाहिए ताकि वह उस वास्तविक जगत को प्रत्यक्षतः समझ पाये जिसकी लगाडोर उसको मिलने वाली है।

प्लेटो की शिक्षा योजना के गुण

प्लेटो की शिक्षा व्यवस्था के कुछ गुण हैं जो निम्नलिखित हैं-

⇒ प्लेटो की शिक्षा व्यवस्था की पहली विशेषता है कि इसमें प्रत्येक आयु वर्ग के लिए एक ठोस शिक्षा योजना है।

⇒ इसकी शिक्षा योजना का पाठ्यक्रम कुछ विषयों तक सीमित न होकर मानव के सम्पूर्ण आयामों तक विस्तृत है।

⇒ इसने अपनी शिक्षा व्यवस्था में संगीत के महत्व को स्थापित किया।

Scanned with CamScanner

⇒ प्लेटो अपनी शिक्षा योजना में स्त्रियों को पुरुषों के बराबर स्थान देता है। वह पुरुषों के समान स्त्रियों को भी प्रत्येक पद के योग्य समझता है।

⇒ प्लेटो की शिक्षा का उद्देश्य शरीर और मस्तिष्क दोनों का विकास करना है।

प्लेटो की शिक्षा योजना की आलोचना

प्लेटो की शिक्षा योजना के अनेक गुण है लेकिन विभिन्न आधारों पर इसकी आलोचना भी की गई है जो निम्नलिखित है:-

⇒ प्लेटो अपनी शिक्षा व्यवस्था में उत्पादक वर्ग को ज्यादा स्थान नही देता उसके केन्द्र में केवल संरक्षक वर्ग है।

⇒ प्लेटो अपनी शिक्षा व्यवस्था में गणित को अन्य विषयों की तुलना में ज्यादा महत्व देता है जिसके कारण अन्य विषय उपेक्षित हो जाते हैं।

⇒ प्लेटो की शिक्षा राज्य द्वारा संचालित होने के कारण व्यक्ति का विकास कम तथा राज्य के विकास के लिए ज्यादा तत्पर रहती है।

⇒ प्लेटो की शिक्षा योजना निराशा उत्पन्न करने वाली है। यह 'स्थित-प्रज्ञ' की भाँति जीवन बिताने का आदेश देती है।

⇒ प्लेटो की शिक्षा योजना इतनी लंबी है कि व्यक्ति का उत्साह ही समाप्त हो जाएगा।

प्लेटो की शिक्षा योजना का महत्व

प्लेटो की शिक्षा योजना में चाहें जो भी दोष निकाले जाए परंतु यह स्वीकार करना होगा कि शिक्षा के संदर्भ में उसका कार्य प्रशंसनीय है। शिक्षा पर व्यापक महत्व देने के कारण संसार उसका सदैव ऋणी रहेगा। इस संदर्भ में जोवेट का यह कथन उल्लेखनीय है कि "प्लेटो पहला लेखक है जो स्पष्ट रूप से कहता है कि शिक्षा का क्रम आजीवन चलना चाहिए।"

Scanned with CamScanner